13 राजस्थान की हस्तकलाएँ

1. लूनी नदी के प्रदूषण का प्रमुख स्रोत क्या है ?
(1) रंगाई–छपाई उद्योग (2) ग्वार–गम उद्योग
(3) इन्जीनियरिंग उद्योग (4) हैन्डी क्राफ्ट उद्योग (1)

व्याख्या– लूनी नदी के निकट स्थित कस्बों बालोतरा, जसोल, बिठूजा व पाली में रंगाई छपाई उद्योगों के कारण इन उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट से लूनी नदी का जल प्रदूषित होता है।

2. धातु से बनी हुई वस्तुओं पर सोने के पतले तारों की जड़ाई को कहते हैं–
(1) उस्ता कला (2) कोफ्तगिरी
(3) कुंदन (4) मीनाकारी (2)

3. खण्डेला (सीकर) भिनाय (अजमेर) प्रसिद्ध है–
(1) गोटा किनारी उद्योग के लिए
(2) गरासियों की फाग ओढ़नी
(3) रेजी निर्माण के लिए
(4) पेचवर्क व चटापटी कार्य के लिए (1)

4. गलीचे निर्माण के लिए प्रसिद्ध है–
(1) जयपुर, बीकानेर (2) जैसलमेर, बाड़मेर
(3) टोंक, कोटा (4) भीलवाड़ा, अजमेर (1)

व्याख्या– राजस्थान में गलीचा निर्माण के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध स्थान जयपुर है, इसके अलावा बीकानेर व टोंक में भी गलीचे निर्माण का कार्य होता है। रियासती काल में बीकानेर जेल में बनने वाले गलीचे प्रसिद्ध थे।

5. प्रतापगढ़ का सोनी परिवार प्रसिद्ध है –
(1) मीनाकारी के लिए (2) मुरादाबादी के कार्य के लिए
(3) थेवा कला के लिए (4) कोफ्तगिरी के लिए (3)

व्याख्या– काँच पर सोने चाँदी के सूक्ष्म चित्रांकन की कला 'थेवा कला' कहलाती है। यह मीनाकारी का ही एक प्रकार है, जो काँच पर की जाती है। इसमें बेल्जियम के रंगीन काँच का प्रयोग किया जाता है।

6. मीनाकारी की कला को सर्वप्रथम जयपुर लाने वाला शासक था?
(1) महाराजा मानसिंह प्रथम (2) मिर्जा राजा जयसिंह
(3) राजा भारमल (4) सवाई जयसिंह (1)

व्याख्या– आमेर के शासक मानसिंह प्रथम द्वारा इस कला के कलाकारों को लाहौर से आमेर लाया गया। जिनमें हरिसिंह, अमरसिंह, किशनसिंह, गोभासिंह व श्यामसिंह आदि प्रमुख कलाकार थे।

7. ऊँट के शरीर के बालों को कतर कर शरीर पर कई तरह की आकृतियाँ उकेरने की कला है–
(1) जट कतराई (2) चर्म कला
(3) कुट्टी कला (4) उस्तकला (1)

8. लकड़ी के झूलों के लिए कौनसा स्थान प्रसिद्ध है?
(1) उदयपुर (2) चित्तौड़गढ़
(3) जोधपुर (4) बाड़मेर (3)

9. 'बादला' क्या होता है ?
(1) लाख की चूड़िया बनाने वाला
(2) फेरों के समय पहने जाने वाले दुल्हन के वस्त्र
(3) जिंक से निर्मित पानी की बोतल
(4) ऊँट के खाल से बनी कुप्पी (3)

व्याख्या– यह जिंक धातु से बना या जिंक का लेप कर बनाया गया जल पात्र होता है, जो पानी को ठण्डा रखने के काम आता है। बादला जोधपुर का प्रसिद्ध है।

10. कागज पर निर्मित देवी–देवताओं के चित्र कहलाते है–
(1) पेपरमेशी (2) पाने
(3) वील (4) चटापटी (2)

व्याख्या– छोटे कागज पर देवी–देवताओं के चित्र 'पाने' कहलाते हैं। श्रीनाथ जी के पाने सर्वाधिक कलात्मक होते हैं।

11. श्री अब्दुल गफूर खाँ, इम्तियाज अली तथा अब्दुल रजाक कुरैशी किस क्षेत्र में प्रसिद्ध है–
(1) मीनाकारी (2) कुंदन कला
(3) सांगानेरी प्रिन्ट (4) पीतल पर खुदाई (4)

व्याख्या– पीतल के बर्तनों पर खुदाई करके की गई कलाकृतियाँ 'मुरादाबादी काम' कहलाती है। इस कला के लिए जयपुर के जान नूर मोहम्मद, अब्दुल रज्जाक कुरैशी, अब्दुल गफूर खाँ व इम्तियाज अली प्रसिद्ध रहे हैं।

12. 'मोण' क्या है?
(1) आदिवासी महिलाओं की ओढ़नी
(2) गोटे का एक प्रकार
(3) मेड़ता क्षेत्र में बना मिट्टी का बड़ा मटका
(4) कपड़े पर मोम की परत चढाया गया चित्र (3)

13. कम्बलों की बुनाई के लिए प्रसिद्ध स्थान है?
(1) गडरा रोड़ (बाड़मेर) (2) बालोतरा (बाड़मेर)
(3) रामसर (बीकानेर) (4) नापासर (बीकानेर) (1)

14. निम्न में से कौनसा स्थान काष्ठ कला के लिए प्रसिद्ध है?
(1) मेड़ता (2) बालोतरा
(3) बगरू (4) बस्सी (4)

व्याख्या– ध्यान रहे 'बस्सी' नाम का एक कस्बा जयपुर में भी है। लेकिन चित्तौड़गढ़ जिले का बस्सी नामक स्थान अपनी काष्ठ कला के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ पर कावड़, बेवाण, गणगौर की प्रतिमाएँ व अन्य कलाकृतियाँ बनती हैं।

15. चटापटी वर्क के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र है?
(1) मेवाड़ (2) शेखावाटी
(3) हाड़ौती (4) वागड़ (2)

व्याख्या– इस कला में किसी भी कपड़े पर अपने मनचाहे डिजाइन ट्रेस कर उन्हे काट लेते हैं, इसके बाद इन अलग–अलग रंग के टुकड़ों को दूसरे कपड़े पर रखकर धागे से तुरपाई या सील दिया जाता है, इसे 'चटापटी/पेचवर्क' कहा जाता है। चटापटी का कार्य शेखावाटी के अलावा बाड़मेर व अजमेर के तिलोनिया में भी किया जाता है।

16. राजस्थान के किस क्षेत्र में 'पंधारी मोदक' प्रसिद्ध है–
(1) उदयपुर (2) जयपुर
(3) बीकानेर (4) कोटा (3)

17. निम्न में से राजस्थान का कौनसा स्थान ब्लैक पॉटरी के लिए प्रसिद्ध है–
(1) बाँसवाड़ा (2) उदयपुर
(3) चित्तौड़गढ़ (4) सवाई माधोपुर (4)

18. श्री लाल जोशी, जिन्हें 2006 में पद्मश्री पुरस्कार मिला था, को किस कला के लिए जाना जाता है–
(1) उस्ता कला (2) कठपुतली कला
(3) सांगानेरी प्रिन्ट (4) फड़ चित्रकारी (4)

व्याख्या– श्रीलाल जोशी द्वारा बनाई गई देवनारायण जी की एक फड़ 'पश्चिमी जर्मनी' के संग्रहालय में प्रदर्शित है।

19. हस्तशिल्प उद्योग को सर्वाधिक संरक्षण देने वाला संस्थान है–
(1) राजस्थली (2) राजसीको
(3) रीको (4) नाबार्ड (2)

व्याख्या– राजसीको– यह हस्तकला उद्योग को सर्वाधिक संरक्षण देने वाली संस्था है। इसका मुख्यालय जयपुर में है। इसकी स्थापना 3 जून, 1961 को हुई थी।

20. राजस्थान में कोफ्तगिरी के काम के लिए कौन–से शहर प्रसिद्ध है–
(1) अलवर एवं उदयपुर (2) अलवर एवं जयपुर
(3) जयपुर एवं बीकानेर (4) जैसलमेर एवं बीकानेर (2)

व्याख्या– कोफ्तगिरी कला का कार्य दमिश्क से पंजाब, पंजाब से गुजरात तथा गुजरात से राजस्थान लाया गया। इसमें फौलाद/लौहे/स्टील की बनी वस्तुओं पर यह काम सोने की पतले तारों की जड़ाई द्वारा किया जाता है।

21. राजस्थान में बंधेज की सबसे बड़ी मंडी है–
(1) बीकानेर (2) जयपुर
(3) जोधपुर (4) बाड़मेर (3)

22. नागौर का 'टांकला गाँव' किस हस्तकला के लिए प्रसिद्ध है–
(1) दरी निर्माण (2) फड़ कला
(3) लौहे के औजार (4) मिरर वर्क (1)

23. कौनसा कूट सुमेलित नहीं है–

(हस्तकला)	(स्थान)
(1) मामाजी के घोड़े	–बसन्तगढ़
(2) दाबू प्रिन्ट	– आकोला
(3) लाख का काम	– लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर
(4) अजरक प्रिन्ट	– बाड़मेर (1)

व्याख्या– जालौर के हरजी गाँव में मामाजी के घोड़े बनाये जाते हैं।

24. मारवाड़ में 'दामणी' क्या था–
(1) एक प्रकार का गहना (2) ओढ़नी का एक प्रकार
(3) पशु बांधने की रस्सी (4) पगड़ी का एक प्रकार (2)

25. कृपालसिंह किस कार्य के लिए जाने जाते है–
(1) ब्लैक पॉटरी (2) सुनहरी पॉटरी
(3) ब्लू पॉटरी (4) लाख की पॉटरी (3)

26. जयपुर की प्रसिद्ध ब्ल्यू पॉटरी की हस्तकारी का उद्गम कहाँ से हुआ–
(1) लाहौर (पाकिस्तान) (2) सूरत (गुजरात)
(3) पर्शिया (ईरान) (4) दिल्ली (भारत) (3)

व्याख्या– मूलतः यह कला तुर्की की है, लेकिन भारत में यह कला पर्सिया से आयी है।

27. राजस्थान में कठपुतली कला को प्रसिद्धि दिलाने में महत्त्वपूर्ण योगदान किसका रहा है?
(1) देवीलाल सामर (2) भंवरलाल अंगीरा
(3) अर्जुनलाल प्रजापति (4) चौथमल जोशी (1)

28. कठपुतलियों एवं खिलौने के निर्माण हेतु चित्तौड़गढ़ का प्रसिद्ध स्थल है–
(1) आकोला (2) मोलेला
(3) बस्सी (4) मांगरोल (3)

29. कावड़ कला किस वस्तु से सम्बन्धित है–
(1) कागज (2) कपड़ा
(3) मिट्टी (4) लकड़ी (4)

30. राजस्थान में हाथ से कागज निर्माण का कार्य कहाँ किया जाता है–
(1) शाहपुरा (2) मेड़ता
(3) सांगानेर (4) टाँकला गाँव (3)

31. राजस्थान में लोहे के औजार कहाँ के प्रसिद्ध है–
(1) अलवर (2) जयपुर
(3) नागौर (4) जोधपुर (3)

व्याख्या– नागौर को 'राजस्थान की धातु नगरी' कहा जाता है।

32. ब्ल्यू पॉटरी का तात्पर्य है–
(1) चांदी के आभूषणों पर नीले रंग की मीनाकारी
(2) नीले काँच पर स्वर्णिम चित्रांकन
(3) चीनी मिट्टी के बर्तनों पर नीले रंग की चित्रकारी
(4) इनमें से कोई नहीं (3)

33. हस्तशिल्प उद्योग को संरक्षण देने वाले संस्थान राजसीको का मुख्यालय कहाँ स्थित है–
(1) जोधपुर (2) उदयपुर
(3) जयपुर (4) अलवर (3)

34. तबक या वर्क निर्माण मुख्यतः कहाँ किया जाता है?
(1) चुरू (2) जयपुर
(3) पाली (4) बीकानेर (2)

व्याख्या– चाँदी के तार को हिरण की खाल की कई परतों के मध्य रखकर कई घण्टों तक पिटने के पश्चात बारिक पत्र के समान टुकड़ा बनता है। यह तबक या बर्क कहलाता है।

35. बिनोटा क्या है–
(1) दूल्हा–दूल्हन के विवाह की जूतियाँ
(2) दूल्हे की तलवार
(3) लोक देवी–देवताओं को पूजने की रस्म
(4) विवाह में गाये जाने वाले गाली गीत (1)

Dhindhwal Publication

36. वर्ष 2021 में राजस्थान बुनकर रत्न पुरस्कार किसे प्रदान किया गया?
(1) बाबूलाल मारोटिया (2) गंगासिंह गौतम
(3) किशोरीलाल (4) पवन जाँगिड़ (2)

37. संगरमगर की मूर्तियाँ निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान है?
(1) जयपुर (2) कोटा
(3) अलवर (4) नागौर (1)

38. राजस्थान में कहाँ पर प्रसिद्ध मीनाकारी गहने बनाये जाते है–
(1) जोधपुर (2) सीकर
(3) बीकानेर (4) जयपुर (4)

39. जाजम छपाई कहाँ की प्रसिद्ध है?
(1) बस्सी (चित्तौड़गढ़) (2) मोलेला (राजसमंद)
(3) आकोला (चित्तौड़गढ़) में (4) कुशलगढ़ (बांसवाड़ा) (3)

व्याख्या– सुती मोटे धागे की बुनाई रेजा/रेजी द्वारा की जाकर बनाई जाने वाली मोटी दरी 'जाजम' कहलाती है। जिस पर विभिन्न रंगों की हाथ छपाई की जाती है, जो मांगलिक व धार्मिक अवसरों पर जमीन पर बिछाई जाती है। इसमें लाल व हरे रंग का प्रयोग ज्यादा होता है।

40. गोटे से बने फूल क्या कहलाते हैं?
(1) किरण (2) बादला
(3) बिजिया (4) मुकेश (3)

41. आकोला में 'दाबू प्रिन्ट' मुख्यतः किस जाति द्वारा किया जाता है–
(1) छींपा (2) माली
(3) सोनी (4) बालदीया (1)

व्याख्या– दाबू प्रिन्ट के कपड़े आकोला (चित्तौड़गढ़) में छींपा जाति द्वारा बनाए जाते है। दाबू का अर्थ है दबाने के लिए जिसका प्रयोग हो। रंगाई छपाई में जिस स्थान पर रंग नहीं चढ़ाना हो उसे लेई/लुगदी से दबा देते है, यही लुई/लुगदी जैसा पदार्थ दाबू कहलाता है।

42. राजस्थान में 'पीला पोमचा' (एक प्रकार की ओढ़नी) कब पहना जाता है?
(1) कुंवारी लड़कियों द्वारा (2) कन्या के विवाह पर
(3) बेटे के जन्म पर (4) तीर्थ यात्रा पर जाते समय (3)

43. 'भरत', 'सूफ', 'हुरम जी', 'आरी' किससे सम्बंधित है–
(1) हाथीदाँत की चूड़ीयाँ (2) कठपुतली कला
(3) कढ़ाई व पैचवर्क (4) मुनव्वती कला (3)

44. राजस्थान का वह एकमात्र परिवार, जिसे किसी हस्तकला के लिए एक ही परिवार के व्यक्तियों को 8 बार राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है?
(1) शाहपुरा का जोशी परिवार (2) दुलमेरा का उस्ता परिवार
(3) प्रतापगढ़ का सोनी परिवार (4) बस्सी का जांगीड़ परिवार (3)

45. लकड़ी की वह लघु मंदिरनुमा कलाकृति, जिसमें जलझूलनी आदि अवसरों पर देवताओं के विग्रह को रखकर सवारी निकाली जाती है?
(1) बाजोट (2) कावड़
(3) खांडे (4) बेवाण (4)

46. राजस्थान में काले पत्थर से मूर्ति निर्माण के लिए प्रसिद्ध स्थान है?
(1) सिकन्दरा (दौसा) (2) तलवाड़ा (बांसवाड़ा)
(3) पोकरण (जैसलमेर) (4) बगरू (जयपुर) (2)

47. निम्न में से किस कलाकार का सम्बन्ध ब्ल्यू पॉटरी से नहीं है?
(1) कृपाल सिंह शेखावत (2) नाथी बाई
(3) गोपाल सैनी (4) रामकिशोर छींपा (4)

व्याख्या– रामकिशोर छींपा बगरू प्रिंट के प्रसिद्ध कलाकार है।

48. 'सुनहरी पॉटरी' के लिए प्रसिद्ध स्थान है?
(1) जैसलमेर (2) बाड़मेर
(3) बीकानेर (4) उदयपुर (3)

व्याख्या– इसमें बर्तनों पर स्वर्णिम (गोल्डन) चित्रकारी की जाती है। बीकानेर की सुनहरी पॉटरी उस्ता कला का ही एक रूप है, जो बाद में बर्तनों पर की जाने लगी।

49. जयपुर की मीनकारी में मुख्यतः कौनसे रंगो का प्रयोग होता है?
(1) लाल व हरा (2) पीला व नीला
(3) कत्थई व भूरा (4) नीला व गुलाबी (1)

50. सफेद चलवां, लाल जमीन, बूंद तिला/शबनम व तैयारी आदि किस हस्तकला के प्रकार हैं?
(1) ब्ल्यू पॉटरी (2) मीनाकारी
(3) सांगानेरी प्रिन्ट (4) कुन्दन कला (2)

व्याख्या– मीनारी के प्रकार – मीनाकारी के प्रमुख निम्न 4 प्रकार प्रचलित है– सफेद चलवां, लाल जमीन, बूंद तिला/शबनम व तैयारी। इनमें सफेद चलवां सबसे कठिन व तैयारी सबसे आसान होती है।

51. सांगानेरी प्रिन्ट को विश्व बाजार में पहूँचने का श्रेय किसे दिया जाता है?
(1) अब्दुल रज्जाक कुरैशी (2) मुन्नालाल गोयल
(3) देवीलाल सामर (4) यासीन छींपा (2)

व्याख्या– सांगानेरी प्रिन्ट को विश्व बाजार तक पहुँचाने का श्रेय मुन्नालाल गोयल को दिया जाता है। सांगानेरी हेण्ड ब्लॉक प्रिन्ट को 2010 में जियोग्राफिक इण्डिकेशन (जी.आई टेग) मिल चुका है।

52. राजस्थान के जरी का काम (जरदौजी) कहाँ से जयपुर लाया गया?
(1) बनारस (2) लाहौर
(3) सूरत (4) ढ़ाका (3)

53. सीकर के 'पाटोदा' का लूगड़ा प्रसिद्ध है, लूगड़ा पहनावे की किस श्रेणी का वस्त्र है?
(1) पुरुषों की धोती (2) पगड़ी
(3) ओढ़नी (4) घाघरा (3)

व्याख्या– लूगड़ा बंधेज के ओढ़ने का ही एक प्रकार है, जो पाटोदा (सीकर) व मुकुन्दगढ़ (झुंझुनूं) का प्रसिद्ध है।

54. मथैरणा कला के लिए प्रसिद्ध स्थान है?
(1) अजमेर (2) बीकानेर
(3) उदयपुर (4) नागौर (2)

व्याख्या– धार्मिक स्थलोंपर पौराणिक कथाओंपर आधारित देवी–देवताओं के भित्ति चित्र बनाने की कला मथैरणा कला कहलाती है।

55. राजस्थान में पशुओं के शरीर पर विभिन्न प्रकार के निशान या दाग लगाने की परम्परा है, पशुओं के शरीर पर बने ये दाग के निशान क्या कहलाते हैं?
(1) गोड़लिया (2) हीड़
(3) नक्शी (4) मांडणा (1)

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती मुख्य परीक्षा– 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

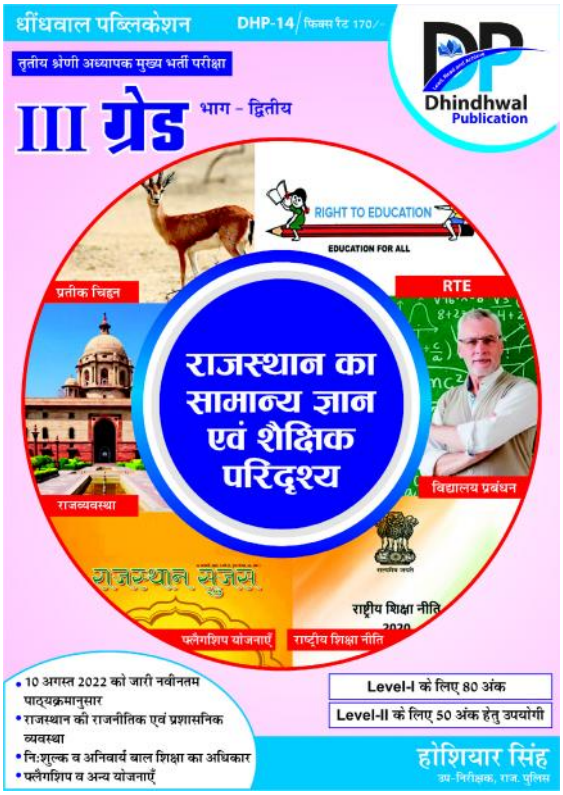

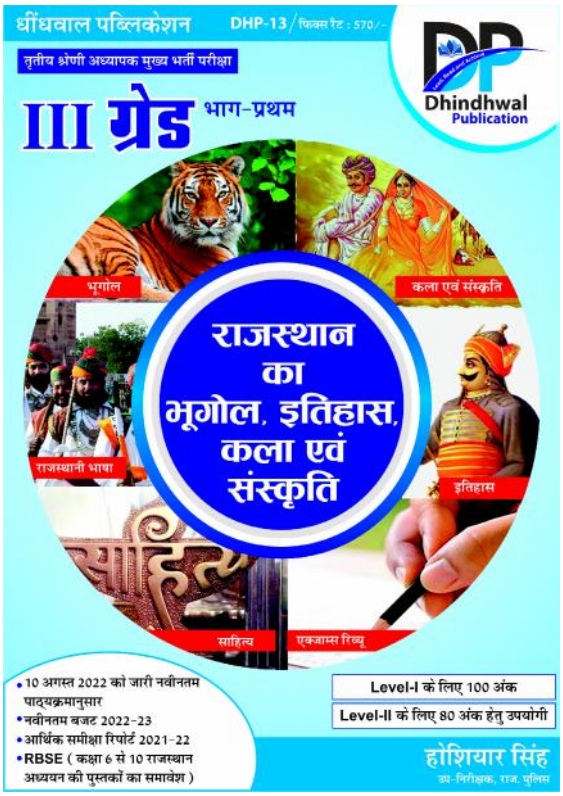

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।